



शिक्षा दर्पण



शिक्षा प्रभाग की त्रैमासिक समाचार पत्रिका

दिसम्बर - 2019

ब्रह्माकुमारीज़, माउण्ट आवू (राज.)



1



2

- 1. Shantivan:** Hon'ble Shri M. Venkaiah Naidu, Vice President of India inaugurated the **Global Summit-Expo** held from 27th September to 1st October, 2019 at Shantivan. Also present were Hon'ble Shri Kalyan Singh, Governor of Rajasthan, Rajyogini Dadi Janki Ji, Rajyogini Dadi Ratan Mohini Ji, Rajyogi BK Nirwair, Rajyogini BK Munni Didi, Rajyogi BK Mruthyunjaya, Rajyogini BK Shukla Didi, Hansa Behn and others.
- 2. Shantivan:** **15th LCOY India** was organised at Shantivan from 2nd to 4th Nov., 2019 with accreditation by YOUNGO (the official Youth Constituency of the United Nations Framework Convention on Climate Change). Rajyogini Dadi Ratan Mohini Ji, Rajyogi BK Mruthyunjaya, Rajyogini BK Sheilu, Mr. Prabhjot Sodhi, Sr. Coordinator, UNDP India, Mr. Akash Vashishtha, Secretary, Society for the Protection of Environment and Biodiversity, BK Shivika and BK Supriya were present in the Inaugural Session.

संरक्षक

राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर

महासचिव, ब्रह्माकुमारीज एवं संरक्षक, शिक्षा प्रभाग

परामर्श दाता

राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय

कार्यकारी सचिव, ब्रह्माकुमारीज एवं अध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग

राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू बहन

उपाध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग

कार्यकारिणी

राजयोगिनी ब्र.कु. सुमन

राष्ट्रीय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग

डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि

निदेशक, मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा कोर्स

ब्र.कु. शिविका

मुख्यालय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग

डॉ. आर.पी. गुप्ता

मुख्यालय संयोजक, मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम

प्रधान सम्पादक

राजयोगी डॉ. ब्र.कु. हरीश शुक्ल

राष्ट्रीय संयोजक, शिक्षा प्रभाग

सह सम्पादक

डॉ. ब्र.कु. ममता, अहमदाबाद

सम्पादक मण्डल

ब्र.कु. सुन्दरलाल, हरिनगर, दिल्ली

ब्र.कु. चुनेश, शान्तिवन

प्रकाशक

एज्यूकेशन विंग (RERF) एवं ब्रह्माकुमारीज

प्रकाशन

ओमशान्ति प्रिंटिंग प्रेस, शान्तिवन, आबू रोड

डिजाइनिंग सेटिंग

वैल्यू एज्यूकेशन ऑफिस, शान्तिवन, आबू रोड

अमृत सूची

- ❖ सम्पादकीय शिक्षा से संस्कार
- ❖ Global Summit-cum-Expo 2019 on Spirituality for Unity, Peace & Prosperity
- ❖ MoU Signing Ceremony
- ❖ Stand Up for Humanity
- ❖ Truthfulness is the Basis to Become Successful
- ❖ नेशनल पेंटिंग कॉम्पिटिशन कम वर्कशॉप
- ❖ Glimpses of Education Wing Services in Different Places
- ❖ एक कर्मयोगी का नवयुग के लिए महाप्रस्थान
- ❖ श्रद्धांजलि
- ❖ BK Prof. Mohinder Kumar Kohli
- ❖ 'हरित भारत - स्वच्छ भारत' की संक्षिप्त रिपोर्ट
- ❖ Glimpses of Education Wing Services in Different Places
- ❖ New Education for New India

निवेदन

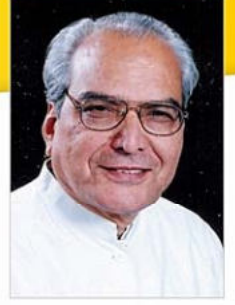
शिक्षा प्रभाग के सेवा समाचार फोटो सहित तथा स्व-रचित कविता, गीत, लेख इत्यादि वैल्यू एज्यूकेशन ऑफिस, आनंद भवन, शान्तिवन, आबू रोड के पते पर भेजकर अपना सहयोग प्रदान करें।

E-mail: shikshadarpan@bkivv.org

Mobile No.: +91 94276-38887 / +91 94140 -03961 / +91 94263-44040

डॉ. ब्र.कु. हरीश शुक्ल

राष्ट्रीय संयोजक, शिक्षा प्रभाग, सुख शान्ति भवन (अहमदाबाद)



डॉ. ब.कु. हरीश शुक्ल
राष्ट्रीय संयोजक,
शिक्षा प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज

शिक्षा से संस्कार

शिक्षा मानव जीवन का आधार है। मनुष्यात्मा की उन्नति उसके संस्कारों से होती है। प्राचीन समय में गुरु-शिष्य परम्परा में भी शिक्षा को एक संस्कार के रूप में माना जाता था। आज भी शिक्षा संस्कार के रूप में जानी जाती है। परिवर्तन मनुष्य का नहीं, उसके संस्कारों का होता है। संस्कार परिवर्तन से ही संसार परिवर्तन होता है। हमारे समाज में आज भी शिक्षा को लेकर काफी चर्चा-परिचर्चा होती है। शिक्षा के स्तर में गिरावट संस्कारों की गिरावट है। संस्कार हमारे अंदर ऐसे घुल-मिल जाते हैं जैसे एक मिट्टी के घड़े में घी भरकर उसे बरसों तक रखा जाए, तो वह घी घड़े के कण-कण में घुल-मिल जाता है। यदि उस घड़े को फोड़ा जाए तो भी उस मिट्टी से घी को अलग नहीं किया जा सकता। उसी प्रकार संस्कार को मनुष्य जीवन से अलग नहीं किया जा सकता। परन्तु ज्ञान के आधार पर योग अग्नि के द्वारा उसे शुद्ध जरूर बनाया जा सकता है। संस्कारों के इस परिवर्तन की प्रक्रिया को शिक्षा कहा जा सकता है।

सतयुग से लेकर त्रेता, द्वापर, कलियुग और संगमयुग में भी शिक्षा का स्थान समाज में सर्वोपरि रहा है। परमात्मा की शिक्षा व्यक्ति को प्रबुद्ध बनाती है। यह और बात है कि प्रत्येक युग में शिक्षा का ढांचा अलग-अलग हो परन्तु लक्ष्य और उद्देश्य एक ही रहा है। वह है- संस्कार सिंचन और परिवर्तन समाजोत्थान। वर्तमान समय भी हम महसूस करते हैं कि शिक्षा में परिवर्तन आवश्यक है। इस दिशा में सरकार द्वारा प्रयत्न किए जा रहे हैं परन्तु कहीं ऐसी विलुप्त कड़ी है जो छात्रों को सही दिशा-निर्देश नहीं मिल रहा। मानव भटक रहा है। हिंसा, आत्मघात, निराशा, उपीड़न जैसे शब्दों के माध्यम से संस्कार में गिरावट महसूस हो रही है। शिक्षा देने वाले शिक्षक एवं लेने वाले छात्र दोनों दिशाहीन हैं, चिंतित हैं! तब संस्कार परिवर्तन करेगा कौन? यह प्रश्नचिह्न है। ऐसे समय में सरकार की ओर से नये-नये पाठ्यक्रम बनाये जा रहे हैं। छात्रों को शिक्षित होने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। परन्तु यहाँ एक बात की कमी यह है कि शिक्षा मात्र पुस्तकों के माध्यम से विद्यालय के एयरकंडिशनर क्लास रूम में दी जाती है, प्रैक्टिकल रूप से नहीं। फिर परिवर्तन कैसे हों? संस्कार-सिंचन के लिए व्यावहारिक शिक्षा की आवश्यकता है। आज ऐसा एक भी विद्यालय नहीं जो व्यावहारिक ज्ञान दें। हाँ यदि व्यावहारिक ज्ञान मिल रहा है तो वह सिर्फ ईश्वरीय विश्व विद्यालय में। यह विद्यालय आज से 82 वर्ष पूर्व स्थापित हुआ, सिर्फ परमपिता परमात्मा की प्रेरणा से कुछ भाई-बहनों के माध्यम से।

आज इस विद्यालय की व्यावहारिक शिक्षा से न सिर्फ स्वयं का संस्कार सिंचन हुआ है बल्कि समाज के सभी वर्गों एवं क्षेत्रों में उच्च स्तरीय सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुआ है। यह ईश्वरीय विश्व विद्यालय है- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय। यहाँ राजयोग के माध्यम से मूल्य एवं आध्यात्मिकता की शिक्षा दी जाती है। इससे मनुष्य का जीवन स्तर देवत्व की ओर ऊंचा हो रहा है। यह वह शिक्षा है जो हमें वर्तमान समय में निराशा, वेदना व दुःखों से छुटकारा दिलाती है। यह वो शिक्षा है जो सिर्फ एक व्यक्ति के लिए नहीं, समूचे विश्व की आत्माओं का संस्कार सिंचन करती है। एक सकारात्मक सोच से मानव का दिशा-निर्देशन करती है। ऐसी शिक्षा ही संस्कार देती है। यह संस्कार करती है जीवन को उच्चतम मार्ग की ओर प्रशस्त करने का...



Global Summit-cum-Expo 2019

Spirituality for Unity, Peace & Prosperity

With the blessings of the Incorporeal Divine Father Shiv Baba, the Global Summit-cum-Expo turned out to be a star-studded glittering affair where the intellectual and socio-administrative elite of the country, as also from many countries of the world, gathered to endorse the universal need and a resolve to work dedicatedly for an ideology of spiritual values to herald the New World of Unity, Peace, and Prosperity. The grandeur of the Summit attained sublimity with the presence of the world famous dignitaries led by Hon'ble Sh. M. Venkaiah Naidu Ji, Vice President of India, and Hon'ble Sh. Ravi Shankar Prasad, Union Minister of Law and Justice in a later session. Some other glittering stars of this grand show included Hon'ble Sh. Om Birla, Speaker of Lok Sabha, Hon'ble Sh. Kalraj Mishra, Governor of Rajasthan, Hon'ble Sh. G. Krishna Reddy, Hon'ble Sh. Arjun Ram Meghwal, Hon'ble Sh. Pratap Chandra Sarangi, Hon'ble Sh. Faggan Singh Kulaste, Hon'ble Sh. Sukhdeo Pance etc., to name only a few.

The deliberations in the conference revolved around the following topics :

- ❖ The power of media in awakening social responsibility.
- ❖ Women - the torch bearer for global transformation.
- ❖ New education for a New World Order.
- ❖ God's wisdom for awakening Human Consciousness.

- ❖ Ensuring Social Justice in Society.
- ❖ Promoting Environmental Sustainability.
- ❖ Integrating Spirituality with Science & Technology for Better World.
- ❖ Holistic life style for Healthy and Happy World.
- ❖ Action plan for Unity, Peace and Prosperity.

The Inaugural session of the Summit was marked with majestically gorgeous and iconic presence of the Hon'ble Sh. M. Venkaiah Naidu, Vice President of India. Appreciating the atmosphere and the vibrations of the Brahma Kumaris campus and the divinity moving in flesh and blood on this campus, he said, "India of new hopes and vision is taking shape. It is not just our economic progress and military self-sufficiency but it is also our spiritual foray that India is known to the whole world." He went on to say, "India is Vishwa Guru for peaceful co-existence as we have never invaded any country. We follow the path of Dharma." Talking on the Swachh Bharat Abhiyaan, he added, "I am happy that our Prime Minister Hon'ble Sh. Narendra Modi has made Chief of the Brahma Kumaris Dadi Janki as the Brand Ambassador of this mission." He appreciated the dedicated service of the Brahma Kumaris in many socio-cultural aspects and said, "I solicit your support to the Govt. of India campaign of Beti Bachao, Beti Padhao." He emphasised the role of spirituality along with science and technology in the development of the nation as also of humanity. He said, "Spirituality is the basis of all religions. We must collectively realize this

truth and should embark on our search for the self.”

He also recalled the time when our former Prime Minister Late Sh. Atal Bihari Vajpayee had felicitated the former Chief of the Brahma Kumaris Dadi Prakash Mani Ji. He made an earnest appeal to the audience as also to the people across the world to work together to isolate the terror mongering violent and inhuman forces as any harmonious and holistic progress can be ensured only when nature and spiritual culture work in unison.

Earlier Hon'ble Sh. Kalraj Mishra, Governor of Rajasthan said that the theme of the summit concerns every single human being on this earth. He praised the Brahma Kumaris selfless spiritual and social services in many fields of our life. In the evening session of the same day, Hon'ble Sh. Ravi Shankar Prasad, Union Minister of Law and Justice appreciated the vibrations that one experiences on this campus. He said India is known across the world as a distinct and prominent spiritual entity. He said, “Spirituality is a quest of truth and it holistically strengthens the society. India has never moved out to the world with a sword but with a message of peace and harmony. Our old culture paid respect to the nature and for maintaining its different qualities it extended spiritual honour to nature.” He appreciated media for their enlightening services to the society but lamented that a lot still remains to be done by way of promoting the truth and humanitarianism.

In fact the theme of the Global Summit-cum-Expo 2019 was explored in certain segments which included On the Spot Painting Competition, in which more than 250 artists from different parts of the country participated, an Exhibition on Spirituality, highlighting the socio-spiritual services of the 20 wings of the Brahma kumaris. Apart from the 5-day deliberations here in the Diamond Hall, felicitation of some Social Activists with 'Guardians of Humanity' award and Industrialists with 'Jewel of India' award, was an integral part of this conference. The deliberations ran in 5-Plenary Sessions apart from the Inauguration and Valedictory sessions. Most of the dignitaries participating in these deliberations, apart from the Brahma Kumaris' Dadijis, Didis and Brothers came from the wide spectrum of our society as also from countries like Nepal, China, South Africa, Denmark, Trinidad, USA, Russia, Azerbaijan etc.

On the evening of September 28, it was a spiritual feast for the audience when sister BK Shivani addressed them for about an hour. She aroused their interest not only in their own self but also in the God Almighty and the cooperation that God seeks from His children to herald the New World of Peace, Prosperity and Happiness. Since the Navratras were to start from Sept. 29, she elaborated the spiritual significance of rituals related to these festivals i.e. the Vrat, the Jagran, the Pure Food and Lighting of the Lamp (Diya). Emphasising the

purity, she said the money that is only earned honestly and with blessings from people is pure and satvik. She reminded her listeners to remember that as is the money so is the food so is the mind and finally so is the body.

The Plenary sessions highlighted various aspects of the theme of Spirituality for Unity, Love and Prosperity. Rajyogi BK Atam Parkash Ji, Rajyogi BK Brij Mohan Ji, Rajyogini BK Santosh Didi from Maharashtra, Rajyogini BK Santosh Didi from Russia, BK Dr. Pratap Midha, Rajyogini BK Pushpa Didi, Rajyogini BK Shukla Didi, Rajyogini BK Kanan Didi, Rajyogini BK Sushma Didi etc., elaborated the role of spirituality in one's life and the efforts of the Brahma Kumaris in spreading the Godly message to the masses.

The Chief of the Brahma Kumaris Rajyogini Dadi Janki Ji graced almost all the sessions of the conference with her pearls of wisdom, some of which are quoted below:

“Try to understand who I am, who is mine and why I am here, and you will solve the puzzle of life.”

“Your attitude, your nature and your actions depend on what you think and remember about life.”

“When you give love you lose nothing but the other gains multi-fold from your charity.”

“Everything belongs to God then why should I run after possession of this and that thing.

“If you inculcate love it yields Divinity, Patience and Sweetness.”

Even the non-BK speakers realised the need for one's grooming in spirituality. They appreciated whole-hearted the efforts of the Brahma Kumaris not just in teaching spirituality but also for their efforts in many a social issue like Women Awakening and Empowerment; Protection and Education of the Girl-child; Cleaning the environment and Greening the surface of the earth; Renewable Energy; De-addiction of Tobacco, Alcohol and Drugs;

I quote here some ear and mind-catching quotes of the speakers from different sessions:

1. The poor don't have the courage, the middle classes don't have the time and the rich don't feel the need for spirituality. (Garib ko himmat nahi, madhyam ko fursat nahi aur amir ko zarurat nahi.)
2. God guides all His children but let us have the facility of His G (Gyan) P (Pyar) S(Shakti) which is possible when you have net facility (Spiritual connection) with Him... BK Shivani
3. Your efforts are making India of new hopes take its shape.
4. India has the ideology of sharing and caring. We have never invaded any country with

sword. We believe in peaceful co-existence as the entire world for us is one family.

5. We are proud of our Prime Minister Hon'ble Mr. Narendra Modi who at the UNO said, "Aapne vishwa ko Yudh diya parantu humne dunia ko Buddha diya." (you perpetrated the culture of violence while India propagated love and peaceful co-existence.
6. If we practice violence in the name of religion, there can never be real development.
7. Technical knowledge should never be misused and the social institutions should not be allowed to be degraded.
8. Terror mongering is the greatest curse of our present times. This evil must be curbed at all costs and at the earliest possible.
9. The fundamental goal of religion is to attain a healthy balance between Nature and human culture.
10. There is now time to work for a wall-less world.
11. The parrot like soul has always wished to be free from this cage of worldly vices.
12. Though the Police maintain internal peace and law and order in a country yet it is the spirituality as taught by the Brahma Kumaris that can ensure the true and lasting peace to humanity.
13. Though visually challenged I can see through my inner eye and don't find myself handicapped in any way.
14. Social service does not take place from the AC rooms and offices but it demands going to the grass-roots.
15. When you are entrusted with the responsibility of cremation of the unclaimed dead bodies of your area you come to realize what human suffering is.
16. Bhram, Bhaya and Bhog are the real curse of humanity that obstruct their spiritual growth.
17. If man could practice the ideal of Jeeyo aur Jeene do, most of the problems of the world would have evaporated in no time.
18. It is better to light a candle than to curse the darkness since no amount of curse can eliminate any darkness.
19. Spirituality is the true knowledge of self and God.
20. We may know much about the soul, God and the world, but do we follow that in our life?
21. My visit to the Brahma Kumaris campus was *Alokik, Amukarniya and Abhootpurva*.
22. When I see a Brahma kumari in white saree, I believe a column of light is going to some dark place.
23. Abu is an Oasis of peace and happiness surrounded by a vast desert of hatred, violence, greed and ill-will. Let this be declared a spiritual city.
24. Before we can unify all faiths we need to eliminate the evils of violence and ill-will from the mind of individuals.
25. Rajyoga is a spiritual mode of the camera of the knowledge of the self. It can inspire you for transformation.
26. Tribals lead a more civilized living than we can imagine. There is no theft, no rape, no murder in the tribal society.
27. The need is to change the mind of one who perpetrates injustice and violence.
28. True democracy is speaking the truth to power, making truth powerful and powerful being true.
29. Love and service are the motto of spiritual life but let us ask whether our congenial manner of speech is as devoted to service before the self.
30. I am not here to inspire you but your spiritual vibrations have influenced and inspired me.
31. I cannot hurt anyone without injuring myself first. That is true spirituality.
32. The only difference between the virtuous and vicious living is when the Sacrifice, Service and Faith turns into corruption, selfishness and suspicion respectively.
33. If our media gets founded in spirituality, the development of society is almost assured.
34. Only education in values can lead us out of the trap of injustice and darkness of ignorance.
35. The first and foremost human right is that we are all born free and equal.
36. We often appreciate an idea and try to propagate it but do we also adopt that in our daily life and conduct?
37. There is no forum in the whole world that can compete with the Brahma Kumaris in Peace, Love and Brotherhood of human beings.
38. Our world suffers from the problems of 4Ps i.e. Poverty, Population, Pollution and Power-hunger. But only one P of the Brahma Kumaris can solve all the 4 problems and that is PURITY.



39. As a candle cannot give light without burning you cannot realize God without undertaking meditation.

Evening of September 29 turned out to be a Bhajan Sandhya led by the legendary Bhajan Samrat Padamshri Anoop Jalota. He regaled the audience and the Diamond Hall echoed with spiritual atmosphere when he rendered Bhajans like 'Rang de chunariya....', 'Ye mat kaho Khuda se...' 'Aisi lagi lagan, Meera ho gayi magan...' 'Achatam Keshwam, Krishan Damodaram...' etc. The Global Summit attained its true spiritual significance with every bhajan that came from the master and his team.

This conference also highlighted the noble service to the cause of suffering humanity. Some of the activists awarded the 'Guardians of Humanity' award are serving the helpless and the blind; some are serving the old and the sick who have been turned away by their own kith and kin; some are cremating the unclaimed dead bodies with all religious respect and rituals; some are helping the women and girls to resist injustice and flesh trade; while some are helping the tribal people lead a healthy life of respect and some are serving the cause of labourers gain their dignity from the administration.

Some of our honoured social activists have brought back the courage and will to live a normal life of respect and honour even after acid attacks on them, while some fought to the international forums for the human rights of children and such education. The list is endless but it inspires one to appreciate their effort. If we cannot be a part of that struggle we can at least support them. In honouring such noble servants of humanity, the Brahma Kumaris have really served a great noble cause.



Prof. BK Ved Guliani,
Hisar



Value Education conference was organized in Latur



Lecture on Values for Success in Nursing Profession at Prem Institute of Medical Sciences, Sukhdev Nager Panipat, Haryana. Principal Mrs. Inderpreet Kaur, BK Rajesh, Shantivan, Center Sister BK Akshi conducted the programme



Value Education Programme for Student Empowerment at Pokhara, Nepal



A workshop cum meditation session on Stress-free life by BK Rajesh at SRSPM College, Niari



MOU SIGNING CEREMONY

An MOU was signed between Nilamber Pitamber University, Jharkhand and Education Wing (Rajyoga Education & Research Foundation) in presence of Prof. Dr. Satyendra Narayan Singh, Vice-Chancellor of Nilamber Pitamber University; Dr. Rakesh Kumar, the

Registrar; Dr. BK Pandiamani, Director, Value Education Programmes (VEP), Mount Abu; BK Leena, Regional Coordinator, VEP, Cuttack; BK Shanti, Centre In-charge, Gumla and others. RERF will offer various programs such as PG Diploma in Yoga & Value Education and Certificate Course in Living Values.



Teachers Day Programme at New Auditorium of Amrit Sarovar, Gulbarga

STAND UP FOR HUMANITY



Dr. BK Mruthyunjaya, Mount Abu was invited as a Special Guest and Speaker for the “Stand Up For Humanity” event on August 10, 2019 at the Lincoln Memorial Reflecting Pool in Washington, DC, USA. Rev. Sylvia E. Sumter, the Senior Minister of Unity of Washington, DC was the host of the programme.

The program was well attended by Rev. Kevin Ross, Senior Minister, Unity of Sacramento, Ambassador Mussie Hailu, United Religions Initiative,

Marianne Williamson, Author and Activist, Paul Luftenegger, International Award Winning Songwriter, Rev. Donna Johnson, CEO, Unity Worldwide Ministries, Rev. Michael Beckwith, Founder of Agape Int'l Spiritual Center, Sister Jenna and others. The programme was telecast on Fox News, NBC and other channels. Brother Mruthyunjaya was also awarded Certificate of Special Congressional Recognition by Congressman Jamie Raskin for his services in the field of Education, Peace and Mental Wellness.



“नये ज्ञान द्वारा नया भारत” महासम्मेलन में केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री माननीय श्री रमेश पोखरियाल ‘निशंक’, यू.जी.सी. के चेयरमैन प्रो. डी.पी. सिंह और अन्य अतिथियों द्वारा ब्रह्माकुमारीज शिक्षा प्रभाग के मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 10 वर्ष पूर्ण होने पर एक स्मारिका का विमोचन किया गया।



Education Wing conducted a VIVA at 3D Auditorium, Anand Bhawan, Shantivan, Abu Road. Dr. BK Pandiamani, Dr. RP Gupta, BK Jay Kumar, BK Loganathan, BK Bithindra, BK Virendra were present on this occasion.



Teachers Day Programme at Yog Bhawan Basavanagudi, Bengaluru. Hon'ble Shri T.B. Jayachandra, Former Minister of Law and Parliamentary Affairs, Govt. of Karnataka Inaugurated the programme.

A Group photo of the participants of LCOY 15 India at the end of the 3 Day Programme. This Conference brought together 200 young people from across India to learn and interact on different facets of climate change in nearly 20 Expert Talks and Workshops covering more than 15 different themes.



STEP UP YOUR LIFE



Brother Charlie Hogg, National Coordinator, Brahma Kumaris, Australia conducted a session "Step up your Life" at Rajyoga Thought Laboratory, JECRC, Jaipur. Around 40 intellectuals attended the event along with delegates from Germany and Argentina. Brother Charlie also cut the cake on the occasion of Third Anniversary of Rajyoga Thought Laboratory.



Greeting the Newly appointed Governor of Rajasthan Hon'ble Shri Kalraj Mishra ji at Raj Bhawan, Jaipur



Brahma Kumaris Nashik conducted a session at Lal Bahadur Shastri Maha Vidyalaya & Swami Vivekanand College, Akot to inform the participating students about VEP



Spiritual Service Development Programme Training at SVC, Chennai



Velalar College Programme on Self Development Skills for 1200 students at Erode, TN



Dr. Dadi Janki
Chief of Brahma Kumaris

God is my Father. This understanding gives one a feel of childhood happiness. There is a link between the warmth and affection that children receive from their father & mother in the childhood and their health and happiness in the future. It is this feeling which makes their whole life very powerful. At present, Supreme God Father is our Mother as well. He knows us inside out, all of us, as to why the soul is crying, wandering and feeling disturbed. Earlier, we only used to call and pray to God regarding our problems and misery without knowing why.

The Supreme Being, the Mother understood our suffering and showered us with peace for time being. A Child's mind is very innocent and sweet. In this world, there is nobody who is as sweet and pure as the children of our beloved Baba. You will not find anyone other us so innocent because we are not aware of worldly matters. As a result it has been very easy for us to receive God's Love. We the children need to become very sweet for removing the suffering and unrest in this world. Those



English Translation by
BK Virender Mehta, Shantivan
BE (Elect & Electronic), MBA, MTech

Truthfulness is the Basis to Become Successful

who will become innocent, will experience and meet God in the form of Mother.

When I saw Brahma Baba for the first time, I felt very light, absolutely bodiless. It was such a good experience. I am unable to forget the feeling of that moment till today. On that very basis, we know, accept and remember God. It is only through Brahma Baba that we can experience God. Shivbaba teaches us through Brahma Baba. Only children can experience mother's love. One cannot experience mother's love from aunt or father's love from uncle. Father is Father because aunt or uncle do not give their inheritance.

Those who wish to live on the basis of truthfulness and be successful, will not even waste a second on meaningless things. Even one waste thought will not come and they are very fortunate. Those who live happily will give happiness to others and will accumulate happiness for whole kalpa. That much happiness we need to accumulate so that anybody visiting their temples will experience love and happiness in front of deities. The way we feel enlightened in front of our beloved Baba, in the same way, whosoever comes in front of us should experience the same feeling. This will only happen if we have clear heart and free mind. The virtues of Purity and truthfulness in Soul makes life very valuable.

A Soul can experience success in any type of effort with determined thoughts. The environment becomes very powerful when people meet each other with smile infused with spirituality. Divine Knowledge teaches us to pay attention to our consciousness, and then there is no tension.



नेशनल पेंटिंग कॉम्पिटिशन कम वर्कशॉप

तीन दिवसीय 'नेशनल पेंटिंग कॉम्पिटिशन कम वर्कशॉप' का आयोजन दिनांक 24 से 26 सितम्बर, 2019 तक ब्रह्माकुमारीज के आनंद सरोवर परिसर में रखा गया जिसमें पूरे भारतवर्ष से 250 से अधिक प्रोफेशनल कलाकारों ने भाग लिया। ब्रह्माकुमारी संस्था और दिल्ली के परिधि आर्ट ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कॉम्पिटिशन की थीम 'आध्यात्मिकता द्वारा एकता, शांति और समृद्धि' थी। इस थीम पर सभी कलाकारों ने कैनवास पर अपनी कला का प्रदर्शन किया।

इस पेंटिंग कॉम्पिटिशन में आये हुए सभी कलाकारों को प्रतिदिन राजयोग शिविर कराया गया जिसमें राजयोग अभ्यास के फायदे, इसकी विधि और आत्म-दर्शन, परमात्म-दर्शन के बारे में विस्तार से बताया गया। श्रेष्ठ कलाकृतियों को जज के पैनल द्वारा चयन कर पुरस्कृत किया गया। सभी पेंटिंग्स को वैश्विक शिखर सम्मेलन में प्रदर्शनी के रूप में लोगों के अवलोकनार्थ रखा गया। इस पेंटिंग कॉम्पिटिशन को डॉ. ब्र.कु मृत्युंजय, दिल्ली के परिधि आर्ट ग्रुप के डायरेक्टर निर्मल वैद्य, ब्र.कु सुदेश, ब्र.कु. उर्मिल इत्यादि ने सम्बोधित किया।



कलाकारों ने कैनवास पर बहुत सुंदर पेंटिंग्स बनाये। सभी पेंटिंग्स को वैश्विक शिखर सम्मेलन में प्रदर्शनी के रूप में लगाया गया। कलाकारों को सम्मानित और पुरस्कृत भी किया गया।

Glimpses of Education Wing Services in Different Places



Student Induction Program was held at PVG Engg. College, Nashik. BK Vikas conducted the program with active participation from students



All India Education Wing's Annual Meeting & Retreat was held at Godly Rajyoga Retreat Centre (GRC), Puri from 1st to 4th Nov 2019. During the Retreat, an Educator's Conference was also held on 3rd Nov 2019 at GRC campus on the theme "Values & Spirituality for Overcoming Challenges".

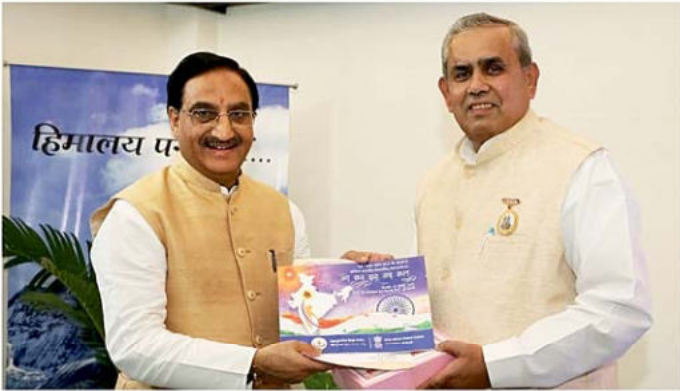


Spiritual Counselors Certification Programme inaugurated by Dr MS Murali, Syndicate Member, MG University at Brahma Kumaris Nedumbassery, Kerala



Value Education & Spirituality Viva Examination Group Photo at Nashik

Glimpses of Education Wing Services in Different Places



Dr. BK Mruthyunjaya presenting the report having suggestions on New Education Policy 2019 to Hon'ble Shri Ramesh Pokhriyal Ji, Union Minister for HRD



Dr. BK Pandiamani from Mount Abu conducted 'Art of Living' Class for 300 prisoners at Puzhal Prison, Chennai



Hon'ble Mr. Udayakumar ji, Met Revenue & Information Technology Minister, Tamil Nadu being briefed about our Value Education Programmes



Teachers Day Celebration at Anand Searchlight Center, Gujarat



Mr. Suresh Chandra Panda IAS (Retd.), Independent Director, Indian Telecom Industries and Independent External Monitor in NBCC Ltd., NALCO & NMDC receiving Godly gift



Dr. RP Gupta & BK Bithindra sharing Godly Knowledge with Shri Ramashankar Singh, Chancellor, ITM University, Gwalior

एक कर्मयोगी का नवयुग के लिए महाप्रस्थान

अं ग्रेजी साहित्य के मर्मज्ञ, राजऋषि परम्परा की जीवंत प्रतिमूर्ति, परमात्मा शिव और पिताश्री ब्रह्मा बाबा के मानस-राजहंस तथा शिक्षा प्रभाग को बौद्धिक एवं आध्यात्मिक अनुभवों से मार्गदर्शन करने वाले प्रो. एम.के. कोहली जी दिनांक 17 अक्टूबर, 2019 को पुराने काया का परित्याग करके सतयुग के इस धरा पर ईश्वरीय कार्ययोजना में गुप्त और विशिष्ट योगदान करने के लिए 90 वर्ष की आयु में महाप्रस्थान कर गए। आपका जन्म 14 जुलाई, 1931 को पंजाब के जालंधर स्थित नूर में हुआ।

यूँ हरेक जीवधारी और शरीरधारी प्राणी का ईश्वरीय अटल सिद्धांत के अनुसार, भौतिक काया का परित्याग करना जीवन की परम सत्य घटना है परन्तु मृत्यु के पूर्व कर्मों के इस सृष्टि जगत में छोड़े गए निशान मनुष्य को मानस पटल पर अमर बना देते हैं। कर्म की चर्चा होते ही वह एक बार हम सबके बीच में पुनः जीवंत हो उठता है। पिताश्री ब्रह्मा बाबा अपने दिव्य व अलौकिक कर्म के कारण ब्रह्मावत्सों और इस संसार में आज भी सूक्ष्म रूप में हम सभी के बीच मार्गदर्शक बनकर सदा जीवंत हैं। वे अव्यक्त होकर हम सभी के लिए व्यक्त हैं। गृहस्थ राजयोगी साधक प्रो. कोहली जी अपने जीवनकाल के अंतिम चरण अर्थात् सेवा से अवकाश प्राप्त करने के बाद ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय से जुड़े। जीवन के वानप्रस्थ अवस्था के काल में भी उनमें युवाओं से भी अधिक स्फूर्ति, सक्रियता और ईश्वरीय सेवा के प्रति समर्पण भाव था।

व्यवहार से शालीन, वाणी से विनोदप्रिय प्रो. कोहली जी ईश्वरीय सेवार्थ मिली हुई जिम्मेदारियों को बड़ी जिम्मेदारी के साथ निभाते थे। विशेषकर कोहली जी शिक्षा प्रभाग के होने वाले महासम्मेलनों के लिए फोल्डर्स के सृजन हेतु सेवा में भूमिका तो निभाते ही थे, साथ ही साथ महासम्मेलनों में धीर-गंभीर वाणी से विशेष भूमिका का निर्वहन भी करते थे।

ऐसे महामना राजयोगी के सान्निध्य में रहने और ईश्वरीय सेवा करने तथा बहुत कुछ सीखने का सौभाग्य मुझ आत्मा को प्राप्त हुआ था। वे परम कल्याणकारी संगमयुग के एक-एक पल को सफल करने के रहस्य को समझते हुए कर्मक्षेत्र पर सदा सक्रिय रहते थे। व्यर्थ जैसा कुछ भी उनके मन, वाणी, कर्म में था ही नहीं। वे सदा निश्चित, निश्छल और निश्चिन्त बुद्धि थे और यही एक सच्चे राजयोगी के अंतिम पुरुषार्थ का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

भाता कोहली जी अंग्रेजी साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान थे। उनकी साहित्य के भाषा पर अच्छा अधिकार था। एक बार प्राथमिक कक्षा में अध्ययन करते समय उनके अध्यापक ने सभी छात्रों को किसान पर निबंध लिखने के लिए दिया था। कोहली जी ने भी निबंध लिखा और उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। उनका निबंध बहुत ही प्रेरक और प्रभावशाली था। पुरस्कार स्वरूप अत्यंत अल्पायु में ही उनके शिक्षक द्वारा एक लेखक बनने का आशीर्वाद प्राप्त हो गया था। ये शिक्षक कोई और नहीं उनके लौकिक पिताजी ही थे। यह आशीर्वाद उनके जीवन में फलीभूत हुआ। उनके लेख चंडीगढ़ से अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाले दैनिक समाचार पत्र 'द ट्रिब्यून' में नियमित रूप से प्रकाशित होते थे। ब्रह्माकुमारी संस्था की अंग्रेजी पाक्षिक पत्रिका 'प्योरिटी' में उनके अनेक लेख प्रकाशित हुए थे। उन्होंने विभिन्न कक्षाओं के लिए अंग्रेजी ग्रामर की कई पुस्तकें लिखी थी। शिक्षा प्रभाग की अनेक रिपोर्टों का अंग्रेजी में कुशलतापूर्वक सम्पादन किया था। शिक्षा दर्पण के सह सम्पादक के उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए कोहली जी ने अनेक निबंध लिखे थे।



श्रद्धांजलि

ब्रह्मा बाप के समान ट्रस्टी बनकर ईश्वरीय सेवार्थ अपने तन, मन, धन, श्वास और संकल्प को लगाने वाले आदरणीय भाता कोहली जी ने शिक्षा प्रभाग की सेवाओं को एक नई ऊंचाई प्रदान किया। ईश्वरीय महावाक्य उनके जीवन का श्वास था। श्रीमत का पालन और दैवीय गुणों की धारणा उनके पुरुषार्थ का शृंगार था। कई विश्व विद्यालयों में मूल्यानिष्ठ शिक्षा का पाठ्यक्रम तैयार करने में उनका अविस्मरणीय योगदान है। वे सौम्य स्वभाव, मृदुभाषी तथा रमणीक प्रवृत्ति के थे।

परमात्मा इस धरा पर अवतरित होकर सर्व मनुष्यात्माओं को आने वाली सतयुगी दुनिया में उच्च प्रालम्भ प्राप्त कराने के लिए ज्ञान, योग, धारणा और सेवा के इन चार सब्जेक्ट को पढ़ा रहे हैं। भाता कोहली जी का इन सभी पर सदा विशेष अटेंशन रहता था। वे त्याग, तपस्या और सेवा की त्रिवेणी बनकर अंतिम श्वास तक ईश्वरीय सेवा का महान कार्य करते रहे। बाबा ही उनका संसार था। गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी उनकी बुद्धि सदा उपराम रहती थी। सेवा का एक इशारा मिलते ही वे ईश्वरीय सेवार्थ हाजिर हो जाते थे। कोहली जी ने ईश्वरीय सेवा में कभी भी कोई बहाना नहीं बनाया। सदा 'हाँजी' का पार्ट बजाते रहे।

भाता कोहली जी का देहांत शिक्षा प्रभाग तथा मेरे व्यक्तिगत स्तर पर अपूरणीय क्षति है। आशा है उनकी आत्मा उच्च संस्कार धारण करके बाबा की प्रत्यक्षता करेगी।



► **डॉ. क. मृत्युंजय**
अध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज

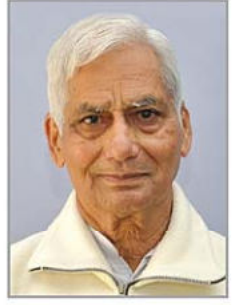
कोहली जी का व्यक्तित्व उनके लेखन कार्य से बहुत बड़ा था। वे ईश्वरीय ज्ञान की गहराइयों और श्रीमत के महत्व को गहराई से समझते थे। श्रीमत का सदा पालन करने के लिए तत्पर रहते थे। वृद्धावस्था में भी उनमें युवाओं जैसी सक्रियता थी। ईश्वरीय सेवा को तुरंत करना उनकी विशेषता थी।

ईश्वरीय सेवा में कोहली जी के ज्ञान, अनुभव तथा स्नेह से बहुत कुछ सीखने को मिला। वे सम्बन्धों को मर्यादा की कसौटी पर सदा निभाने के लिए तत्पर रहते थे। ब्रह्मा बाप के समान उनमें जीवन और पुरुषार्थ को समझने की एक व्यापक अंतर्दृष्टि थी। वे तन, मन और धन को ईश्वरीय सेवार्थ सर्वस्व समर्पित करके अनेक जन्म-जन्मान्तर के लिए महान सौभाग्य को प्राप्त कर लिया।



► **डॉ. व.कु. हरीन्द्र**
वाराणसी (उ.प्र.)

BK Prof. Mohinder Kumar Kohli



A sincere, affable and cordial friend always inclined to help and support you; a gentle social and humorous person whose wit made him rise above the company; a dedicated teacher for whom teaching was not just a passion but became his second nature, but above all these qualities and traits, BK Prof. Mohinder Kumar Kohli had been Shiv Baba's completely devoted child all these years in his thoughts, words and deeds. My association with Late Prof. M.K. Kohli has been for more than 45 years.

I met Prof. Kohli at Govt. Post Graduate College, Bhiwani (Haryana) in 1972 where we both were lecturers in English. That association lasted for more than 5 years during which time we grew into close friends. I found him not only a good guide but I could learn from him many things in the art of teaching. His approach to teaching was more of a social affair than an academic skill. He believed in treating his students more as his younger brothers and sisters and children than treating them as people gathered from different social and economic background. His objective would never be just completing the prescribed course, but he took upon himself the responsibility of guiding his students in manners and general behavior as well. He has been a writer, academic as well as journalistic. Many of his Middles were published in The Tribune (Newspaper, published from Chandigarh). He wrote many books on English grammar for school students.

However, more important than his performance at the college was his spiritual inclination which brought him and whole of his family to Shiv Baba. It was really a great courageous step for him to allow all his three daughters to be surrendered and open a Brahma Kumaris centre at their home in Gurugram (Haryana). It was almost 20 years after our transfer from Bhiwani (I was transferred to Hisar and he was given Gurugram) that we met again at Gyan Sarovar in 1999. Since then we have been working together in the Education Wing of the RE&RF.

Ours was an intellectual association dedicated to the service of Shiv Baba. During all these years together

we brought out books, souvenir, albums, reports, course books etc. I remember during the Golden Jubilee celebrations and then the Platinum Jubilee celebrations he dedicated himself thoroughly and continued to work till very late in the night.

Today when I sit in the office of our Education Wing, I find myself alone in his absence. He was not only helpful by his suggestions but his sense of humour was so jovial that it kept us all in the office full of energy and liveliness. His jokes and wit were always brief and timely and decent.

Prof. M.K. Kohli had a deep love for old music and literature. The old film songs that carried a humanistic message appealed to him. He would often encourage me to compose poems, that bring out the depth of emotions, with an Urdu touch. One of my compositions that he liked much was:

**'Zindagi ke lamhon se meri dosti kaisi,
Ye musht-e-gubaar se adhik kuchh bhi nahi,
Katra-e-hawa mein ur jaate hain ik din,
Kaayeda-e-wafa in mein bhala kuchh bhi nahi.**

He was fond of humming quite a few old songs but among the many songs that bring to me his memories is Mohd. Rafi's song from Mela - "Yeh zindagi ke mele duniya mein kam na honge, afsos hum na honge." How true it is! The life goes on as usual on its path and speed but many of us are left behind, though the memories keep lingering for years and ages.

I pray for Prof. BK Kohli's soul to rest in peace in Baba's lap till the time when it joins us all in Paramdham and then to the Sukhdham for the next round of the Time Cycle.

BK Prof. Ved Guliani,
Hisar





‘हरित भारत - स्वच्छ भारत’ की संक्षिप्त रिपोर्ट



डॉ. आर.पी. गुप्ता
शान्तिवन

वृक्ष मानव संस्कृति और पर्यावरण का केन्द्रीय बिन्दु होता है। पेड़-पौधों के अस्तित्व से मनुष्य का अस्तित्व जुड़ा होता है। अंधाधुंध वृक्षों की कटान के कारण ग्लोबल वार्मिंग का भयंकर खतरा उत्पन्न हो गया है। पर्यावरण सम्बन्धी चुनौतियों और खतरों का सामना करने का एकमात्र उपाय वृक्षारोपण है। यदि प्रत्येक व्यक्ति दो वृक्ष लगाते हैं और उनकी देखभाल करते हैं तो इतनी ऑक्सीजन मिलती है जो एक परिवार के 4 सदस्यों के लिए पर्याप्त है।

वर्तमान समय सरकार वृक्षारोपण के लिए जागरूक है और इस दिशा में बेहतर कार्य कर रही है। इस पुनीत कार्य में ब्रह्माकुमारी संस्था सदैव अग्रणी भूमिका निभाती रही है। ब्रह्माकुमारी संस्था ने मानव कल्याण के लिए एक अनूठा कार्यक्रम ‘हरित भारत - स्वच्छ भारत’ चलाया है जो आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का भी एक ‘ड्रीम प्रोजेक्ट’ है। प्रधानमंत्री जी ने संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी जी को ‘ब्रेण्ड एम्बेसडर’ भी बनाया है।

शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष भ्राता मृत्युंजय जी के मार्गदर्शन में 10 जुलाई, 2019 को इस अभियान की शुरुआत की गई जिसमें 2 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य लिया गया था। भाई-बहनों की कड़ी मेहनत, लगन और उनके प्रयासों के कारण 10 जुलाई से 30 सितम्बर, 2019 तक विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, सेवाकेन्द्रों और अन्य कई स्थानों पर वृक्ष लगाये गए और इस कार्यक्रमों में प्रतिज्ञा भी कराई गई।

वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान दिनांक 1 अक्टूबर, 2019 को माननीय श्री ओम बिरला, अध्यक्ष, लोकसभा के द्वारा अधिक वृक्षारोपण करने वाले सेवाकेन्द्रों को सम्मानित किया गया जिसमें प्रमुख हैं- असंध-करनाल जिसने 54,000 से अधिक वृक्ष लगाये। इसरो-बैंगलोर जिसने 33,000 से अधिक वृक्ष लगाये और गुलमोहर कॉलोनी-भोपाल जिसने

11,000 वृक्ष लगाये। इसके अलावा वृक्ष लगाने वाले सभी सेवाकेन्द्रों को भ्राता मृत्युंजय जी के द्वारा भी सम्मानित किया गया।

इस अनोखे अभियान के परिणाम इस प्रकार हैं:

1. कुल वृक्ष - 2,05,000 से अधिक
2. कुल प्रोग्राम - 3,000 से अधिक
3. कुल भाई-बहनों ने भाग लिए - 60,000 से अधिक



Glimpses of Education Wing Services at Different Places



BK Vijayalakshmi, BK Neha presenting Divine Gift to Hon'ble Shri Ramesh Pokhriyal, Union Minister of HRD in presence of BK Swarna, BK Hema & BK Santhosh



An MoU was signed between Education Wing (RERF) and New College, Kolhapur, Maharashtra on 19th September, 2019



Felicitation of Dr. BK Mamata by Gujarati Brahman Samaj, Ahmedabad



Prof. DP Singh, Chairman, UGC in presence of BK Shukla Didi, BK Neha, BK Santhosh and BK Chaudhary after Education Meeting at New Delhi



BK Hemlata presenting Godly Gift to Prof. Dr. Anil Sahasrabudhe, Chairman, AICTE in presence of BK Neha, BK Devender & BK Santhosh

NEW EDUCATION FOR NEW INDIA



A national Conference on 'New Education for New India' was held at Dr. Ambedkar International Centre, New Delhi by Education Wing of the Brahma Kumaris in association with the Ministry of Human Resource Development, Govt. of India.

Hon'ble Shri Ramesh Pokhriyal Ji, Minister for HRD, Govt. of India inaugurated this Conference. Other dignitaries who addressed the Conference were Prof. DP Singh, Chairman, UGC, Delhi; Dr. Anil Sahasrabudhe, Chairman, AICTE, Delhi; Major Harsh Kumar, Secretary, NCERT, Delhi; Prof. M. Jagadesh Kumar, VC, JNU, Delhi; Prof. Ramesh Goyal, VC, Delhi Pharmaceutical Sciences & Research University, Delhi; Prof. Prafulla Kumar Mishra, Chancellor, Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Samastipur (Bihar); Prof. S.P. Melkeri, VC, Gulbarga University, Gulbarga (KT); Dr. Yogendra Nath Sharma, Professor and Writer, Roorkee; Mr. Syed Saud Akhtar, Registrar, Jamia Hamdard University, Delhi; Shri Baishnab Charan Tripathy, Former VC, Ravenshaw University, Cuttack; Prof. Mahavir, Pro VC, University of Patanjali, Haridwar; Dr. Madhukar Maruti Waware, Deputy Director, AICTE, Delhi and Mr. Ashwin Fernandes, Regional Director for QS Intelligence Unit for Middle East, North Africa and South Asia. BK Shivani, Motivational TV Icon; BK Karuna, Multi Media Chief, Brahma Kumaris; Dr BK Mruthyunjaya, Executive Secretary, Brahma Kumaris and Chairperson, Education Wing; BK Chakradhari Didi; BK Shukla Didi; BK Pushpa Didi; BK Sudesh Behn; BK Shivika; BK Neha & others also gave their greetings.

Education Wing HQs. Office

Dr. B.K. Mruthyunjaya, Chairman, Education Wing
Brahma Kumaris, Value Education Centre
3rd Floor, Anand Bhawan, Shantivan, Abu Road-307 510 (Raj.)

E-mail: educationwing@bkivv.org

Education Wing, National Co-ordinators' Office

B.K. Dr. Harish Shukla, National Coordinator, Education Wing
Sukh Shanti Bhawan, Kankaria, Ahmedabad-380 022 (Guj.)

Mob. No.: 9427638887 **Fax:** 079-25325150

E-mail: harishshukla31@gmail.com

To,
